Seventeenth Loksabha

>

Tite: Regarding pollution of Sai river due to dumping of industrial waste.

श्री संगम लाल गुप्ता (प्रतापगढ़): अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से अपने लोक सभा क्षेत्र प्रतापगढ़ के विभिन्न इलाकों सहित नगर के मध्य से होकर निकलने वाली जीवनदायिनी नदी सई की ओर पर्यावरण मंत्रालय, जल शक्ति मंत्रालय सहित शहरी विकास मंत्रालय का भी संयुक्त रूप से ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं । मान्यवर, रामचरित मानस में उल्लेख मिलता है –

"सई उतरि गोमती नहाये, चौथे दिवस अवधपुर आये । "

लेकिन वर्तमान में प्रतापगढ़ में बाबा घुइसनाथ धाम, माँ बेल्हादेवी धाम, बाबा वेलखरनाथ धाम, माँ बाराही देवी धाम जैसे धार्मिक स्थलों पर सई नदी का पानी आज पूरी तरह से जहरीला हो गया है । बगल के जनपद रायबरेली में सई नदी में गिरने वाले फैक्ट्रियों के जहरीले पानी ने जलजीवों का अस्तित्व ही मिटा दिया है । वहीं जनपद मुख्यालय पर माँ बेला देवी मंदिर के तट पर सीधे बड़े गंदे नाले का पानी सई नदी में जा रहा है । इससे लोगों की आस्था और विश्वास के साथ जबरदस्त धोखा हो रहा है, क्योंकि वे घाट पर नदी के पानी से नहीं बल्कि कहा जाए तो नाले के पानी का दरस, परस करते हैं । मान्यवर, सई नदी को भारत सरकार की नमामि गंगे परियोजना में शामिल किए जाने के बाद भी इसकी सफाई पर कोई ध्यान न देना चिंताजनक है ।

हम आपके माध्यम से पर्यावरण मंत्रालय से रायबरेली की फैक्ट्रियों के जहरीले पदार्थ नदी में छोड़ने से रोकने, शहरी विकास मंत्रालय से नालों के पानी का शोधन करने के बाद ही नदी में गिराने एवं जल शक्ति मंत्रालय से सई के किनारे चारों धार्मिक स्थलों पर बांध बनाकर पानी साफ करने की परियोजना अमल में लाने की मांग करते हैं ।